चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| | 11-9.26 | 2 | 1-5 |

The Tribune
ESTABLISHED IN 1881

# Agriculture officers approve 21 rabi crops for promoting scientific farming in state

## Two-day workshop in Hisar identifies field-level problems faced by farmers

**TRIBUNE NEWS SERVICE**

**HISAR, SEPTEMBER 10**

A two-day agriculture officers' workshop on rabi crops on Thursday concluded at the Haryana Agricultural University in Hisar. The workshop saw the finalisation of 21 crop recommendations for promoting scientific farming and taking new technologies to farmers across the state.

Scientists and officials of the Farmers' Welfare Department at the agricultural university in Hisar.

Agricultural scientists from HAU and officials from the Agriculture and Farmers' Welfare Department of the state government discussed recommendations for various rabi crops and other important agricultural practices during the workshop.

HAU Vice-Chancellor Baldev Raj Kamboj urged scientists and officials of the department to ensure that the approved recommendations reached farmers so that they could improve both productivity and income. He said the workshop had also helped identify field-level problems faced by farmers and discussed possible solutions. He expressed hope that the feedback mechanism would be made more effective using digital platforms.

Director of Extension Education Naresh Kaushik said separate sessions were held on wheat and barley, sugarcane and maize, pulses and fodder crops, oilseeds, agroforestry and dryland farming. Additional Director of Agriculture and Farmers' Welfare Department Ram Pratap Sihag said the new recommendations would be disseminated among farmers at the earliest so that they could benefit during the coming rabi season.

Among the recommendations approved was the use of HAU's first hybrid variety of mustard, RH 2021, for timely sowing in irrigated areas as this variety matures in 135–142 days and can yield 11.5–12 quintals per acre. A medium-maturity sugarcane variety, COH 160, containing 17.50 per cent sugar, was also recommended for spring sowing. It is non-lodging and has an average yield of around 750 quintals per acre.

The workshop also recommended updating Haryana's groundwater quality map to incorporate appropriate management and use of groundwater affected by salinity.

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक भास्कर | 11.9.26 | 5 | 1-4 |

• राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला में रबी सीजन के लिए 21 नई तकनीकी सिफारिशें

# सरसों की नई हाइब्रिड आरएचएच 2101 और रोग प्रतिरोधी गन्ने की सीओएच 179 किस्म को मंजूरी

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला में रबी सीजन की प्रमुख फसलों-सरसों, गेहूं, जौ, गन्ना, मक्का, दलहन, चारा फसलें और तिलहन के लिए कुल 21 नई तकनीकी सिफारिशों की घोषणा की गई। दो दिन चली इस राज्यस्तरीय कृषि कार्यशाला में प्रदेशभर से कृषि विभाग के अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

एचएयू कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों और अधिकारियों का मुख्य दायित्व है कि वे इन स्वीकृत वैज्ञानिक सिफारिशों को धरातल पर जल्द किसानों तक पहुंचाएं। किसानों की मैदानी समस्याओं के आधार पर बनाई जाने वाली योजनाएं हमारी कार्यप्रणाली को और अधिक मजबूत करती हैं।

एचएयू के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश कौशिक कार्यशाला के दौरान कुल छह अलग-अलग तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिनमें गेहूं, जौ, गन्ना, मक्का, दलहनी व चारा फसलें, तिलहन, एग्रोफॉरेस्ट्री और शुष्क खेती पर विचार-विमर्श किया गया। कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. रामप्रताप सिहाग ने कहा कि कार्यशाला में स्वीकृत की गई सभी नई किस्मों और तकनीकों को आगामी रबी सीजन से ठीक पहले किसानों तक पहुंचाने के लिए कृषि विभाग तेजी से कार्य करेगा।

## रबी सीजन : प्रमुख सिफारिशें और नई तकनीकें

▪ **सरसों की नई हाइब्रिड किस्म :** एचएयू की पहली हाइब्रिड सरसों किस्म आरएचएच 2101 को सिंचित क्षेत्रों में समय पर बुवाई के लिए अनुशंसित किया है। यह 135-142 दिनों में पककर 11.5 से 12.0 क्विंटल प्रति एकड़ तक पैदावार देती है।

▪ **गन्ने की सीओएच 179 किस्म :** यह मध्यम-पछेती पकने वाली, न गिरने वाली और बसंतकालीन बुवाई के लिए उपयुक्त किस्म है। इसमें खांड अंश 18.50 प्रतिशत और औसत पैदावार 450 क्विंटल प्रति एकड़ है। यह लाल सड़न रोग के प्रति मध्यम प्रतिरोधी है।

▪ **इन किस्मों में बदलाव :** एचएयू की समग्र सिफारिशों के तहत मक्का की संकर किस्मों एचएचएम 2, एचएम 5, एचएम 10 और एचएम 11 को हरियाणा राज्य के लिए जोड़ा गया है, जबकि राया की पुरानी किस्मों वरूणा और आरबी 50 को सूची से हटाया जा रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
| --- | --- | --- | --- |
| हरि. भूमि | 11.9.26 | 9 | 3-8 |


**कार्यशाला** गेहूं, सरसों, गन्ना और चारा फसलों की खेती को लेकर वैज्ञानिकों ने सुझाई नई तकनीकें

# रबी की फसल सें बदलेगी खेती की तस्वीर, एचएयू ने मंजूर कीं 21 नई सिफारिशें, आगामी सीजन में किसानों को मिल सकती है राहत

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

आगामी रबी सीजन में किसानों को फसल उत्पादन बढ़ाने और खेती की लागत कम करने के लिए नई तकनीकों का लाभ मिलेगा। यहां के हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला रबी-2026 में वैज्ञानिकों और कृषि अधिकारियों के मंथन के बाद विभिन्न फसलों से जुड़ी 21 नई सिफारिशों को मंजूरी दी गई। इनमें गेहूं, सरसों, गन्ना, राया, जई सहित अन्य फ़सलों की बेहतर पैदावार के लिए बीज उपचार, उर्वरक प्रबंधन, कतार दूरी और सिंचाई से जुड़ी तकनीकें शामिल हैं। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि इन सिफारिशों का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब नई तकनीकों को समय पर किसानों तक पहुंचाया जाए।

हिसार। कार्यशाला में उपस्थित अधिकारी। *फोटो: हरिभूमि*

## सरसों की हाइब्रिड किस्म से लेकर खारे पानी के प्रबंधन तक सुझाव

⏭कार्यशाला में एचएयू की पहली हाइब्रिड सरसों किस्म आरएचएच 2101 को सिंचित क्षेत्रों में समय पर बुवाई के लिए अनुशंसित किया गया। यह किस्म 135 से 142 दिन में तैयार होती है और प्रति एकड़ 11.5 से 12 क्विंटल तक उपज देने में सक्षम है। गन्ने की सीओएच 179 किस्म को बसंतकालीन बुवाई के लिए उपयुक्त बताया गया है, जिसकी औसत उपज 450 क्विंटल प्रति एकड़ है।

⏭गेहूं में 6-7 डेसीसीमेंस प्रति मीटर विद्युत चालकता वाले लवणीय सिंचाई जल की स्थिति में एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन की सिफारिश की गई है। इसके तहत बीज उपचार के साथ गोबर की खाद और 75 प्रतिशत अनुशसित उर्वरक मात्रा का प्रयोग करने की सलाह दी गई है। इससे मिट्टी की उर्वरता बनाए रखते हुए बेहतर पैदावार हासिल की जा सकती है।

⏭सरसों में डीएपी के साथ जिप्सम के विकल्प के तौर पर 12 किलोग्राम बेंटोनाइट सल्फर प्रति एकड़ प्रयोग की सिफारिश की गई। चारा फसल जई में एचएयू एनपीके बायोफर्टिलाइजर से बीज उपचार तथा गेहूं में एचएयू एजोटिका प्लस-ई के प्रयोग की सिफारिश की गई है। बसंतकालीन गन्ने में 90 सेंटीमीटर कतार दूरी और 30-35 क्विंटल प्रति एकड़ बीज दर अपनाने की सलाह दी गई है।

⏭इसके अलावा हरियाणा के भूजल गुणवत्ता मानचित्र के संशोधन एवं अद्यतनीकरण की सिफारिश की गई, ताकि भूमिगत खारे पानी के उचित उपयोग और प्रबंधन को बढ़ावा दिया जा सके। सिंचित राया में 45 सेंटीमीटर कतार दूरी रखने तथा राया और सरसों के लिए एक किलोग्राम प्रति एकड़ बीज दर की सिफारिश भी की गई। कार्यशाला के अंत में डॉ. सुनील ढांडा ने आभार जताया।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| पंजाब केसरी | 11.9.26 | 5 | 5-8 |

# रबी फसलों की वैज्ञानिक खेती को लेकर एचएयू में मंथन, किसानों तक पहुंचेगी नई तकनीक

## राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला में 21 सिफारिशें हुई स्वीकृत

*कार्यशाला में मौजूद कृषि अधिकारी व वैज्ञानिक।*

हिसार, 10 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला रबी-2026 का समापन हुआ। कार्यशाला में प्रदेशभर के कृषि अधिकारियों और हकृवि के वैज्ञानिकों द्वारा रबी फसलों की समग्र सिफारिशों के बारे में विस्तृत चर्चा करने के साथ-साथ विभिन्न महत्वपूर्ण तकनीकी पहलुओं पर विचार विमर्श किया गया। दो दिवसीय कार्यशाला के दौरान अलग-अलग फसलों के लिए 21 सिफारिशों को स्वीकृति प्रदान की गई।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने हकृवि के वैज्ञानिकों तथा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों से कहा कि वे स्वीकृत सिफारिशों को किसानों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें ताकि किसान अपने उत्पादन के साथ-साथ आय में भी बढ़ौतरी कर सकें। उन्होंने आशा जताई कि भविष्य में इस फीडबैक तंत्र को डिजीटल माध्यम से और अधिक प्रभावशाली बनाया जाएगा।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने कहा कि हकृवि द्वारा आयोजित कृषि वैज्ञानिकों व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों की कार्यशाला में विभिन्न छह सत्र आयोजित किए गए, जिनमें रबी फसलें गेहूं एवं जौ, गन्ना-मक्का, दलहनी एवं चारा फसलें, तिलहन तथा एग्रोफोरेस्ट्री व शुष्क खेती शामिल हैं। समापन सत्र में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ रामप्रताप सिहाग ने बताया कि इस कार्यशाला में आने वाली नई सिफारिशों को किसानों तक जल्दी से जल्दी पहुंचाया जाएगा ताकि आगामी रबी सीजन में उनका लाभ किसानों को मिल सके।

### कार्यशाला में ये प्रमुख सिफारिशें स्वीकृत हुई

-हकृवि की सरसों की पहली हाइब्रिड किस्म आर.एच.एच. 2101 (वर्ष 2025 में जम्मू, पंजाब, हरियाणा, दिगी एवं उत्तरी राजस्थान के लिए अनुमोदित) को सिंचित क्षेत्रों में समय पर बुवाई के लिए अनुसंशित किया गया है। यह किस्म 135-142 दिनों में पककर तैयार होती है तथा प्रति एकड़ 11.5 से 12.0 क्विंटल तक उपज देती है।

-सी.ओ.एच. 179 गन्ने की मध्यम-पछेती पकने वाली किस्म है। इसमें खांड अंश 18.50 प्रतिशत है। यह बसंतकालीन बुवाई के लिए उपयुक्त है, इसकी मोढ़ी अच्छी होती है तथा यह न गिरने वाली किस्म है। इसकी औसत पैदावार 450 क्विंटल प्रति एकड़ है। यह लाल सड़न एवं अन्य प्रमुख रोगों के प्रति मध्यम प्रतिरोधी तथा प्रमुख कीटों के प्रति कम संवेदनशील हैं।

-हकृवि की समग्र सिफारिशों में 'हरियाणा के भूजल गुणवत्ता मानचित्र' के संशोधन एवं अद्यतनीकरण की सिफारिश की गई है, जिसमें हरियाणा में भूमिगत खारे जल के सही उपयोग एवं प्रबंधन को शामिल किया गया है।

-गेहूं की फसल में 6-7 डेसी सीमन प्रति मीटर विद्युत चालकता वाले लवणीय सिंचाई जल की स्थिति में एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन लाभदायक है। इसके लिए सबसे पहले बीज को 100 मिलीलीटर एचएयू बायोमिक्स प्रति 10 किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें तथा प्रति एकड़ 4 टन गोबर की खाद और 75 प्रतिशत अनुशंसित उर्वरक मात्रा डालें। इससे अनुशंसित उर्वरक मात्रा के बराबर पैदावार प्राप्त होती है और मिट्टी की उर्वरता भी बेहतर होती है।

-सरसों में फॉस्फोरस की पूर्ति के लिए डीएपी का प्रयोग करने की स्थिति में 2 कट्टे (100 किलोग्राम) जिप्सम प्रति एकड़ की वर्तमान सिफारिश के विकल्प के रूप में 12 किलोग्राम बेंटोनाइट सल्फर प्रति एकड़ बुवाई से पूर्व प्रयोग करने की सिफारिश की गई है।

-चारा फसल जई की अधिक पैदावार हेतु बीज को बुवाई से पहले प्रति एकड़ 150 मिली लीटर एचएयू एनपीके बायोफर्टिलाइजर से उपचारित करने की सिफारिश की गई है।

-विश्वविद्यालय के रबी की समग्र सिफारिशों से मक्का के संकर किस्म एचएचएम 2, एचएम 5, एचएम 10 और एचएम 11 को हरियाणा राज्य के लिए तथा राया की वरूणा एवं आरबी 50 किस्म को भी हटाया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक ट्रिब्यून | 11.9.26 | 7 | 3-6 |

**हकृवि की कृषि अधिकारियों की कार्यशाला, किसानों तक जल्द पहुंचाई जाएंगी नई तकनीकें**

# रबी फसलों के लिए 21 नई सिफारिशों को मंजूरी

हिसार, 10 सितंबर (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला रबी-2026 का बृहस्पतिवार को समापन हुआ। कार्यशाला में प्रदेशभर के कृषि अधिकारियों और हकृवि वैज्ञानिकों ने रबी फसलों से जुड़ी तकनीकों और समस्याओं पर मंथन किया। इस दौरान विभिन्न फसलों के लिए 21 नई सिफारिशों को मंजूरी दी गई।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने वैज्ञानिकों और कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों से इन सिफारिशों को आगामी रबी सीजन में जल्द किसानों तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि खेत स्तर पर किसानों की समस्याओं की जानकारी और उनके समाधान के लिए तैयार योजनाओं के कारण ऐसी कार्यशालाओं का महत्व बढ़ जाता है। भविष्य में इस फीडबैक तंत्र को डिजिटल माध्यम से और प्रभावी बनाने पर भी जोर दिया।

हिसार स्थित हकृवि में आयोजित कार्यशाला में मौजूद कृषि वैज्ञानिक एवं अधिकारी।-हप्र

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने बताया कि कार्यशाला में छह तकनीकी सत्र हुए। इनमें गेंहूं-जौ, गन्ना-मक्का, दलहनी एवं चारा फसलें, तिलहन, एग्रोफोरेस्ट्री और शुष्क खेती से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई।

हकृवि की सरसों की पहली हाइब्रिड किस्म आरएचएच-2101 को सिंचित क्षेत्रों में समय पर बुवाई के लिए अनुशंसित किया गया है। यह 135 से 142 दिन में तैयार होकर प्रति एकड़ 11.5 से 12 क्विंटल तक उपज दे सकती है।

## गन्ने की नई किस्म, कतार दूरी पर जोर

गन्ने की सीओएच-179 किस्म को बसंतकालीन बुवाई के लिए उपयुक्त बताया गया है। इसकी औसत उपज 450 क्विंटल प्रति एकड़ है। बसंतकालीन गन्ने में 90 सेंटीमीटर कतार दूरी और 30 से 35 क्विंटल प्रति एकड़ बीज दर की सिफारिश की गई।

## लवणीय पानी में गेहूं के लिए पोषक प्रबंधन

6-7 डेसीसीमेंस प्रति मीटर विद्युत चालकता वाले लवणीय सिंचाई जल में गेहूं के लिए एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन की सिफारिश की गई। इसमें बीज उपचार, गोबर की खाद और अनुशंसित उर्वरक की 75 प्रतिशत मात्रा के प्रयोग पर जोर दिया गया है।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| अजीत समाचार | 11.9.26 | 9 | 1-5 |

# रबी फसलों की वैज्ञानिक खेती को लेकर एचएयू में मंथन, किसानों तक पहुंचेगी नई तकनीक

## राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला में 21 सिफारिशें हुई स्वीकृत

हिसार, 10 सितम्बर (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला रबी-2026 का समापन हुआ। कार्यशाला में प्रदेशभर के कृषि अधिकारियों और हकृवि के वैज्ञानिकों द्वारा रबी फसलों की समग्र सिफारिशों के बारे में विस्तृत चर्चा करने के साथ-साथ विभिन्न महत्वपूर्ण तकनीकी पहलुओं पर विचार विमर्श किया गया। दो दिवसीय कार्यशाला के दौरान अलग-अलग फसलों के लिए 21 सिफारिशों को स्वीकृति प्रदान की गई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने हकृवि के वैज्ञानिकों तथा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों से कहा कि वे स्वीकृत सिफारिशों को किसानों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें ताकि किसान अपने उत्पादन के साथ-साथ आय में भी बढ़ोतरी कर सकें। कृषि विभाग के अधिकारियों से जिन समस्याओं की जानकारी प्राप्त होती है तथा उनके समाधान को लेकर बनाई जाने वाली योजनाओं से

कार्यशाला के दौरान कृषि अधिकारी व हकृवि के वैज्ञानिक।

कार्यशाला का महत्व और भी बढ़ जाता है। उन्होंने आशा जताई कि भविष्य में इस फीडबैक तंत्र को डिजीटल माध्यम से और अधिक प्रभावशाली बनाया जाएगा। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने कहा कि हकृवि द्वारा आयोजित कृषि वैज्ञानिकों व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों की कार्यशाला में विभिन्न छः सत्र आयोजित किए गए जिनमें रबी फसलें गेहूं एवं जौ, गन्ना-मक्का, दलहनी एवं चारा फसलें, तिलहन तथा एग्रोफोरेस्ट्री व शुष्क खेती शामिल हैं। समापन सत्र में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. रामप्रताप सिहाग ने बताया कि इस कार्यशाला में आने वाली नई सिफारिशों को किसानों तक जल्दी से जल्दी पहुंचाया जाएगा। कार्यशाला के अंत में डॉ. सुनील ढांडा ने धन्यवाद किया।

कार्यशाला में 21 सिफारिशें स्वीकृत हुई जिनमें मुख्य निम्नलिखित हैं: हकृवि की सरसों की पहली हाइब्रिड किस्म आरएचएच 2101 (वर्ष 2025 में जम्मू, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली एवं उत्तरी राजस्थान के लिए अनुमोदित) को सिंचित क्षेत्रों में समय पर बुवाई के लिए अनुसंशित किया गया है। इसमें खांड अंश 18.50 प्रतिशत है। यह बसंतकालीन बुवाई के लिए उपयुक्त है, इसकी मोढ़ी अच्छी होती है तथा यह न गिरने वाली किस्म है। इसकी औसत पैदावार 450 क्विंटल प्रति एकड़ है। यह लाल सड़न एवं अन्य प्रमुख रोगों के प्रति मध्यम प्रतिरोधी तथा प्रमुख कीटों के प्रति कम संवेदनशील है गेहूँ के बीजों के टीकाकरण हेतु 10 किलोग्राम बीज के लिए 100 मिलीलीटर तरल बायोफर्टिलाइजर कंसोर्टियम एचएयू एजोटिका प्लस-ई का प्रयोग करने की सिफारिश की गई है। इसमें एंडोफाइट-स्यूडोमोनास एडब्ल्यू-5, एजोटोबैक्टर तथा पीएसबी शामिल हैं। बसंतकालीन गन्ने की फसल में 90 सेंटीमीटर कतार दूरी अपनाने की सिफारिश की गई है। इससे अधिक गन्ना उपज मिलेगी। इस परिस्थिति में बीज दर 30-35 क्विंटल प्रति एकड़ रहेगी। गन्ने की पौध फसल के लिए 75-25-25 किलोग्राम एनपीके प्रति एकड़ उर्वरक की मात्रा डालने की सिफारिश की गई है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| हरियाणा मेल | 11.9.26 | 7 | 6-8 |

# रबी फसलों की वैज्ञानिक खेती पर मंथन

**हरियाणा मेल ब्यूरो**

**हिसार।** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला रबी-2026 का समापन हुआ। कार्यशाला में कृषि अधिकारियों और विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने रबी फसलों की खेती, उत्पादन बढ़ाने और नई तकनीकों के उपयोग पर चर्चा की। अलग-अलग फसलों से संबंधित 21 सिफारिशों को मंजूरी दी गई। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने वैज्ञानिकों और कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों से कहा कि स्वीकृत सिफारिशों को जल्द किसानों तक पहुंचाया जाए, ताकि आगामी रबी सीजन में किसान इनका लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि कृषि अधिकारियों से मिलने वाली समस्याओं और उनके समाधान के लिए तैयार योजनाओं से कार्यशाला का महत्व बढ़ता है। भविष्य में किसानों और अधिकारियों से मिलने वाले फीडबैक को डिजिटल माध्यम से और प्रभावी बनाने पर भी जोर दिया। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने बताया कि कार्यशाला में गेहूं-जौ, गन्ना-मक्का, दलहनी एवं चारा फसल, तिलहन तथा एग्रोफोरेस्ट्री और शुष्क खेती सहित छह सत्र आयोजित किए गए।

स्वीकृत सिफारिशों में एचएयू की सरसों की पहली संकर किस्म आरएचएच-2101 को सिंचित क्षेत्रों में समय पर बुवाई के लिए अनुशंसित किया गया। इसकी पकने की अवधि 135 से 142 दिन और औसत उपज 11.5 से 12 क्विंटल प्रति एकड़ बताई गई। गन्ने की सीओएच-179 किस्म को बसंतकालीन बुवाई के लिए उपयुक्त माना गया है, जिसकी औसत उपज 450 क्विंटल प्रति एकड़ है। इसके अलावा लवणीय सिंचाई जल में गेहूं के लिए एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन, सरसों में बेंटोनाइट सल्फर के उपयोग, जई में जैव उर्वरक उपचार और गेहूं के बीजों के टीकाकरण की सिफारिश की गई। बसंतकालीन गन्ने में 90 सेंटीमीटर कतार दूरी और राया की 45 सेंटीमीटर कतार दूरी रखने की भी सिफारिश की गई।

| | |
|---|---|
| | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,<br>हिसार, लोक संपर्क कार्यालय |

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| समस्त हरियाणा | 10.09.26 | ----- | ---- |

# रबी फसलों की वैज्ञानिक खेती को लेकर एचएयू में मंथन, किसानों तक पहुंचेगी नई तकनीक

समस्त हरियाणा न्यूज

**हिसार।** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला रबी-2026 का समापन हुआ। कार्यशाला में प्रदेशभर के कृषि अधिकारियों और हकृवि के वैज्ञानिकों द्वारा रबी फसलों की समग्र सिफारिशों के बारे में विस्तृत चर्चा करने के साथ-साथ विभिन्न महत्वपूर्ण तकनीकी पहलुओं पर विचार विमर्श किया गया। दो दिवसीय कार्यशाला के दौरान अलग-अलग फसलों के लिए 21 सिफारिशों को स्वीकृति प्रदान की गई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने हकृवि के वैज्ञानिकों तथा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों से कहा कि वे स्वीकृत सिफारिशों को किसानों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें ताकि किसान अपने उत्पादन के साथ-साथ आय में भी बढ़ोतरी कर सकें। कृषि विभाग के अधिकारियों से जिन समस्याओं की जानकारी प्राप्त होती है तथा उनके समाधान को लेकर बनाई जाने वाली योजनाओं से कार्यशाला का महत्व और भी बढ़ जाता है। उन्होंने आशा जताई कि भविष्य में इस फीडबैक तंत्र को डिजीटल माध्यम से और अधिक प्रभावशाली बनाया जाएगा। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने कहा कि हकृवि द्वारा आयोजित कृषि वैज्ञानिकों व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों की कार्यशाला में विभिन्न छः सत्र आयोजित किए गए जिनमें रबी फसलें गेहूं एवं जौ, गन्ना-मक्का, दलहनी एवं चारा फसलें, तिलहन तथा एग्रोफोरेस्ट्री व शुष्क खेती शामिल हैं। समापन सत्र में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ रामप्रताप सिहाग ने बताया कि इस कार्यशाला में आने वाली नई सिफारिशों को किसानों तक जल्दी से जल्दी पहुंचाया जाएगा ताकि आगामी रबी सीजन में उनका लाभ किसानों को मिल सके। कार्यशाला के अंत में डॉ. सुनील ढांडा ने धन्यवाद किया।

**कार्यशाला में 21 सिफारिशें स्वीकृत हुई जिनमें मुख्य निम्नलिखित हैं**

हकृवि की सरसों की पहली हाइब्रिड किस्म आरएचएच 2101 (वर्ष 2025 में जम्मू, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली एवं उत्तरी राजस्थान के लिए अनुमोदित) को सिंचित क्षेत्रों में समय पर बुवाई के लिए अनुसंशित किया गया है। यह किस्म 135-142 दिनों में पककर तैयार होती है तथा सीओएच 179 गन्ने की मध्यम-पछेती पकने वाली किस्म है। इसमें खांड अंश 18.50 प्रतिशत है। यह बसंतकालीन बुवाई के लिए उपयुक्त है, इसकी मोढ़ी अच्छी होती है तथा यह न गिरने वाली किस्म है। इसकी औसत पैदावार 450 क्विंटल प्रति एकड़ है। यह लाल सड़न एवं अन्य प्रमुख रोगों के प्रति मध्यम प्रतिरोधी तथा प्रमुख कीटों के प्रति कम संवेदनशील है। हकृवि की समग्र सिफारिशों में 'हरियाणा के भूजल गुणवत्ता मानचित्र' के संशोधन एवं अद्यतनीकरण की सिफारिश की गई है, जिसमें हरियाणा में भूमिगत खारे जल के सही उपयोग एवं प्रबंधन को शामिल किया गया है। गेहूँ की फसल में 6-7 डेसी सीमन प्रति मीटर विद्युत चालकता वाले लवणीय सिंचाई जल की स्थिति में एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन लाभदायक है। इसके लिए सबसे पहले बीज को 100 मिलीलीटर एचएयू बायोमिक्स प्रति 10 किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें तथा प्रति एकड़ 4 टन गोबर की खाद और 75 प्रतिशत अनुशंसित उर्वरक मात्रा डालें। इससे अनुशंसित उर्वरक मात्रा के बराबर पैदावार प्राप्त होती है और मिट्टी की उर्वरता भी बेहतर होती है। सरसों में फॉस्फोरस की पूर्ति के लिए डीएपी का प्रयोग करने की स्थिति में 2 कट्टे (100 किलोग्राम) जिप्सम प्रति एकड की वर्तमान बेंटोनाइट सल्फर प्रति एकड़ बुवाई से पूर्व प्रयोग करने की सिफारिश की गई है। चारा फसल जई की अधिक पैदावार हेतु बीज को बुवाई से पहले प्रति एकड़ 150 मिली लीटर एचएयू एनपीके बायोफर्टिलाइजर से उपचारित करने की सिफारिश की गई है। गेहूँ के बीजों के टीकाकरण हेतु 10 किलोग्राम बीज के लिए 100 मिलीलीटर तरल बायोफर्टिलाइजर कंसोर्टियम एचएयू एजोटिका प्लस-ई का प्रयोग करने की सिफारिश की गई है। इसमें एंडोफाइट-प्स्यूडोमोनास एडब्ल्यू-5, एजोटोबैक्टर तथा पीएसबी शामिल हैं। बसंतकालीन गन्ने की फसल में 90 सेंटीमीटर कतार दूरी अपनाने की सिफारिश की गई है। इससे अधिक गन्ना उपज मिलेगी। इस परिस्थिति में बीज दर 30-35 क्विंटल प्रति एकड़ रहेगी। गन्ने की पौध फसल के लिए 75-25-25 किलोग्राम एनपीके प्रति एकड़ उर्वरक की मात्रा डालने की सिफारिश की गई है। सिंचित अवस्था में राया की बुवाई कतारों में 45 सेंटीमीटर के फासले पर करने की सिफारिश की गई है। राया एवं सरसों की फसल के लिए प्रति एकड़ एक किलोग्राम बीज की सिफारिश की गई। विश्वविद्यालय के रबी की समग्र सिफारिशों से मक्का के संकर किस्म एचएचएम 2, एचएम 5, एचएम 10 और एचएम 11 को हरियाणा राज्य के लिए तथा राया

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
| --- | --- | --- | --- |
| सिटी पल्स | 10.09.26 | ----- | ---- |

# राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला में 21 सिफारिशें स्वीकृत

## रबी फसलों की वैज्ञानिक खेती को लेकर एचएयू में मंथन, किसानों तक पहुंचेगी नई तकनीक, फीडबैक तंत्र को और अधिक प्रभावशाली बनाया जाएगा

**सिटी पल्स न्यूज, हिसार।** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला रबी-2026 का समापन हुआ। कार्यशाला में प्रदेशभर के कृषि अधिकारियों और हकृवि के वैज्ञानिकों द्वारा रबी फसलों की समग्र सिफारिशों के बारे में विस्तृत चर्चा करने के साथ-साथ विभिन्न महत्वपूर्ण तकनीकी पहलुओं पर विचार विमर्श किया गया। दो दिवसीय कार्यशाला के दौरान अलग-अलग फसलों के लिए 21 सिफारिशों को स्वीकृति प्रदान की गई।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने हकृवि के वैज्ञानिकों तथा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों से कहा कि वे स्वीकृत सिफारिशों को किसानों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें ताकि किसान अपने उत्पादन के साथ-साथ आय में भी बढ़ोतरी कर सकें। कृषि विभाग के अधिकारियों से जिन समस्याओं की जानकारी प्राप्त होती है तथा उनके समाधान को लेकर बनाई जाने वाली योजनाओं से कार्यशाला का महत्व और भी बढ़ जाता है। उन्होंने आशा जताई कि भविष्य में इस फीडबैक तंत्र को डिजीटल माध्यम से और अधिक प्रभावशाली बनाया जाएगा।

**कार्यशाला में ये सिफारिशें स्वीकृत हुई**

1. हकृवि की सरसों की पहली हाइब्रिड किस्म आरएचएच 2101 (वर्ष 2025 में जम्मू, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली एवं उत्तरी राजस्थान के लिए अनुमोदित) को सिंचित क्षेत्रों में समय पर बुवाई के लिए अनुसंशित किया गया है। यह किस्म 135-142 दिनों में पककर तैयार होती है तथा प्रति एकड़ 11.5 से 12.0 क्विंटल तक उपज देती है।

2. सीओएच 179 गन्ने की मध्यम-पछेती पकने वाली किस्म है। इसमें खांड अंश 18.50 प्रतिशत है। यह बसंतकालीन बुवाई के लिए उपयुक्त है, इसकी मोढ़ी अच्छी होती है तथा यह न गिरने वाली किस्म है। इसकी औसत पैदावार 450 क्विंटल प्रति एकड़ है। यह लाल सड़न एवं अन्य प्रमुख रोगों के प्रति मध्यम प्रतिरोधी तथा प्रमुख कीटों के प्रति कम संवेदनशील है।

3. हकृवि की समग्र सिफारिशों में 'हरियाणा के भूजल गुणवत्ता मानचित्र' के संशोधन एवं अद्यतनीकरण की सिफारिश की गई है, जिसमें हरियाणा में भूमिगत खारे जल के सही उपयोग एवं प्रबंधन को शामिल किया गया है।

4. गेहूं की फसल में 6-7 डेसी सीमन प्रति मीटर विद्युत चालकता वाले लवणीय सिंचाई जल की स्थिति में एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन लाभदायक है। इसके लिए सबसे पहले बीज को 100 मिलीलीटर एचएयू बायोमिक्स प्रति 10 किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें तथा प्रति एकड़ 4 टन गोबर की खाद और 75 प्रतिशत अनुशंसित उर्वरक मात्रा डालें। इससे अनुशंसित उर्वरक मात्रा के बराबर पैदावार प्राप्त होती है और मिट्टी की उर्वरता भी बेहतर होती है।

5. सरसों में फॉस्फोरस की पूर्ति के लिए डीएपी का प्रयोग करने की स्थिति में 2 कट्टे (100 किलोग्राम) जिप्सम प्रति एकड़ की वर्तमान सिफारिश के विकल्प के रूप में 12 किलोग्राम बेंटोनाइट सल्फर प्रति एकड़ बुवाई से पूर्व प्रयोग करने की सिफारिश की गई है।

6. चारा फसल जई की अधिक पैदावार हेतु बीज को बुवाई से पहले प्रति एकड़ 150 मिली लीटर एचएयू एनपीके बायोफर्टिलाइजर से उपचारित करने की सिफारिश की गई है।

7. गेहू के बीजों के टीकाकरण हेतु 10 किलोग्राम बीज के लिए 100 मिलीलीटर तरल बायोफर्टिलाइजर कंसोर्टियम एचएयू एजोटिका प्लस-ई का प्रयोग करने की सिफारिश की गई है। इसमें एंडोफाइट-स्यूडोमोनास एडब्ल्यू-5, एजोटोबैक्टर तथा पीएसबी शामिल हैं।

8. बसंतकालीन गन्ने की फसल में 90 सेंटीमीटर कतार दूरी अपनाने की सिफारिश की गई है। इससे अधिक गन्ना उपज मिलेगी। इस परिस्थिति में बीज दर 30-35 क्विंटल प्रति एकड़ रहेगी।

9. गन्ने की पौध फसल के लिए 75-25-25 किलोग्राम एनपीके प्रति एकड़ उर्वरक की मात्रा डालने की सिफारिश की गई है।

10. सिंचित अवस्था में राया की बुवाई कतारों में 45 सेंटीमीटर के फासले पर करने की सिफारिश की गई है। राया एवं सरसों की फसल के लिए प्रति एकड़ एक किलोग्राम बीज की सिफारिश की गई।

11. विश्वविद्यालय के रबी की समग्र सिफारिशों से मक्का के संकर किस्म एचएचएम 2, एचएम 5, एचएम 10 और एचएम 11 को हरियाणा राज्य के लिए तथा राया की वरूणा एवं आरबी 50 किस्म को भी हटाया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक जागरण | 11.9.26 | 3 | 1-5 |

# रबी फसलों की विज्ञानी खेती को लेकर एचएयू में मंथन

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला रबी-2026 का समापन हुआ। कार्यशाला में प्रदेशभर के कृषि अधिकारियों और हकृवि के विज्ञानियों द्वारा रबी फसलों की समग्र सिफारिशों के बारे में विस्तृत चर्चा करने के साथ-साथ विभिन्न महत्वपूर्ण तकनीकी पहलुओं पर विचार विमर्श किया गया। दो दिवसीय कार्यशाला के दौरान अलग-अलग फसलों के लिए 21 सिफारिशों को स्वीकृति प्रदान की गई। विस्तार शिक्षा निदेशक डा. नरेश कौशिक ने कहा कि हकृवि द्वारा आयोजित कृषि वैज्ञानिकों व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों की कार्यशाला में विभिन्न छह सत्र आयोजित किए गए जिनमें रबी फसलें गेहूं

कार्यशाला के दौरान मौजूद विज्ञानी • पीआरओ

एवं जौ, गन्ना-मक्का, दलहनी एवं चारा फसलें, तिलहन तथा एग्रोफोरेस्ट्री व शुष्क खेती शामिल हैं। डा. रामप्रताप सिहाग ने बताया कि इस कार्यशाला में आने वाली नई सिफारिशों को किसानों तक जल्दी से जल्दी पहुंचाया जाएगा ताकि आगामी रबी सीजन में उनका लाभ किसानों को मिल सके।

## कार्यशाला में 21 सिफारिशें स्वीकृत

• हकृवि की सरसों की पहली हाइब्रिड किस्म आरएचएच 2101 (वर्ष 2025 में जम्मू, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली एवं उत्तरी राजस्थान के लिए अनुमोदित) को सिंचित क्षेत्रों में समय पर बुवाई के लिए अनुसंशित किया गया है। यह किस्म 135-142 दिनों में पककर तैयार होती है तथा प्रति एकड़ 11.5 से 12.0 क्विंटल तक उपज देती है। • सीओएच 179 गन्ने की मध्यम-पछेती पकने वाली किस्म है। इसमें खांड अंश 18.50 प्रतिशत है। यह बसंतकालीन बुवाई के लिए उपयुक्त है, इसकी मोढ़ी अच्छी होती है तथा यह न गिरने वाली किस्म है। इसकी औसत पैदावार 450 क्विंटल प्रति एकड़ है। यह लाल सड़न एवं अन्य प्रमुख रोगों के प्रति मध्यम प्रतिरोधी तथा प्रमुख कीटों के प्रति कम संवेदनशील है। • हकृवि की समग्र सिफारिशों में 'हरियाणा के भूजल गुणवत्ता मानचित्र' के संशोधन एवं अद्यतनीकरण की सिफारिश की गई है, जिसमें भूमिगत खारे जल के प्रबंधन को शामिल किया गया है।